E-ISSN: 2664-603X
P-ISSN: 2664-6021
IJPSG 2025; 7(7): 124-126
www.journalofpoliticalscience.com
Received: 04-06-2025
Accepted: 02-07-2025

आरती सोलंकी
शोधार्थी, विभाग अध्यक्ष, कलासंकाय, राजनीति, विज्ञान विभाग, सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत।

विन्नी जैन
प्रोफेसर, शोधार्थी, विभाग अध्यक्ष, कलासंकाय, राजनीति, विज्ञान विभाग, सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत।

Corresponding Author:
आरती सोलंकी
शोधार्थी, विभाग अध्यक्ष, कलासंकाय, राजनीति, विज्ञान विभाग, सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत।

महिला सशक्तिकरण: पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका

आरती सोलंकी, विन्नी जैन

DOI: https://www.doi.org/10.33545/26646021.2025.v7.i7b.598

सारांश
महिला सशक्तिकरण का तात्पर्य महिलाओं को दिए जाने वाले अधिकार, अवसर और समाज में उनके योगदान से संबंधित है| महिला सशक्तिकरण जिसके द्वारा महिलाओं को आर्थिक सामाजिक तथा राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की प्रयास किए जाते हैं ताकि वह अपने अधिकारों का प्रयोग कर सकें तथा निर्णय लेने में समझ में अपनी भागीदारी दे सकें|

महिला सशक्तिकरण से संबंधित मुख्य पहलू

शिक्षा: शिक्षा जीवन की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है यह न सिर्फ महिलाओं को बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को दी जानी चाहिए | हालांकि महिलाओं को शिक्षा दिए जाने का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य यह होता है कि यह न सिर्फ अपना बल्कि शिक्षित होने पर संपूर्ण समाज का विकास कर सकती हैं |

स्वास्थ्य और पोषण: महिलाओं को जगत जननी की संज्ञा दी गई है बहुत आवश्यक हैकी महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए | स्वस्थ महिलाएंस्वस्थ परिवार एवं स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं प्रजनन स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव, और महिलाओं के लिए उचित पोषण की व्यवस्था पर जोर दिया जाता है।

आर्थिक सशक्तिकरण: महिलाओं कोआर्थिक रूप से भी मजबूत बनाने का काम किया जाता है ताकि वह समान वेतन तथा समान अधिकारों के साथ अपने जीवन को बेहतरी से पालन कर सकें | इसके लिए सरकार के द्वारा भी बहुत सारी योजनाएं चलाई जाती हैंजैसे कौशल विकास योजना,माइक्रोफाइनेंस योजना तथा स्वयं सहायता समूह |

महिलाओं को सशक्तिकरण प्रदान करने के लिए इन सब अधिकारों के साथ-साथ सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक अधिकार प्रदान किए गए हैं जो की सबसे पहले स्थानीय स्वशासनमें महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा देते हैं तथा उन्हें समाज में अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनाने का अवसर भी प्रदान करते हैं |

कुटशब्द: खेल-आधारित शिक्षण, पारंपरिक शिक्षण, छात्र जुड़ाव, सीखने के परिणाम, कक्षा

प्रस्तावना

भारतीय स्वशासन में पंचायती राज प्रणाली एक महत्वपूर्ण अंग है भारत के संविधान में पंचायती राज प्रणाली को 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है |

पंचायती राज व्यवस्था ग्रामीण सुशासन को सशक्त बनाने का कार्य करती है साथ ही महिलाओं को शासन में भागीदारी करने का अवसर प्रदान करती है | पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत महिलाएं सीधे तौर पर विकास का हिस्सा बनती है|

1. महिलाओं का राजनीति में योगदान

- **आरक्षण की व्यवस्था**: 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायतों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण दिया गया है, जिसके द्वारा उन्हेंराजनीति में भागीदारी करने का अवसर प्राप्त हुआ है | वर्तमान समय में स्थानीय स्वशासन मेंआरक्षण की व्यवस्था को बहुत सारे प्रदेशों के अंतर्गत 50% तक कर दिया गया है जैसे कि मध्य प्रदेश में इत्यादि |
- संविधान द्वारा दिया गया यह अवसर महिलाओं के अंतर्गत विकास में भागीदारी को तो सुनिश्चित करता ही है साथ में उनके अंतर्गत नेतृत्व की क्षमता को भी बढ़ता हैऔर उसका विकास करता है |

2. महिलाओं के विकास की योजनाओं में सहभागिता

महिला प्रतिनिधियों के द्वारानीति निर्माण के साथ ही विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन और निगरानी भी सशक्त रूप से की जा रही है| उदाहरण के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGA), सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS), स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं मेंमहिलाओं की सशक्त भागीदारी नजर आ रही है |

3.प्रतिनिधियों में महिलाओं की बढ़ती संख्या

पंचायत में महिलाओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है जो सीधे-सीधे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है जो की एक सकारात्मक पहल है | महिला प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने का सबसे ज्यादा सकारात्मक प्रभाव है कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व स्वयं महिलाएं कर रही हैं | महिलाओं के शिक्षा स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है | स्वच्छता पर ध्यान दिया जा रहा है | बाल विवाहों को रोकने के लिए सकारात्मक प्रयास किया जा रहे हैं ।

4. महिलाओं का नेतृत्व प्रधान होना

अनेक ऐसे उदाहरण हुए हैं जिनके माध्यम से हम आज देख सकते हैं कि महिला प्रधान नेतृत्व में ग्रामीण विकास और ज्यादा अग्रसर हुआ है| महिलाओं की समस्याओं को सुलझाया गया है जो सबसे ज्यादा सुरक्षा को लेकर थी | महिलाओं के द्वारा महिलाओं के नेतृत्व में एक अग्रणी भूमिका निभाई है समाज में विकास की | उदाहरण स्वरूप महिला प्रधानों ने अपने क्षेत्रों में शिक्षा, स्वच्छता, जलसंसाधन, और सड़क निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्य किया है, जिससे ग्रामीण विकास में बदलाव आया है।

5.समाज के अंतर्गत महिलाओं की स्थिति में प्रगति

पंचायती राज व्यवस्था के द्वारा जो अधिकार महिलाओं को दिए गए हैं उनके माध्यम से समाज में महिलाओं की प्रगति तथा सुरक्षा में तो सुधार हुआ ही है साथ ही लैंगिक समानता में भी सुधार देखने को मिला है |

निष्कर्ष

हालांकि पंचायती राज व्यवस्था मेंमहिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं की भूमिका में काफी हद तक सुधार हुआ है | लेकिन फिर भीआज भी महिलाओं के समक्ष को चुनौतियां

उपलब्ध है | जैसे की सामाजिक धारणाएं, संसाधनों की कमी, पारिवारिक दबाव यह कुछ ऐसी कमियां है जो महिलाओं को नेतृत्व करने से आज भी रोकते हैं | इन कमियों को दूर करने के लिए सरकार के द्वारा आज भी आवश्यकता है जागरूकता की प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की | ताकि महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों में भी महिलाओं को लेकर जो लैंगिक असमानता है उसको दूर किया जा सके |

महिला सशक्तिकरण के माध्यम से पंचायती राज प्रणाली ने महिलाओं को एक महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान की हैमहिलाओं को पंचायत के अंतर्गत निर्णय निर्माण की प्रक्रिया में भागीदारी के अनुसार प्रदान करना उनका सामाजिक आर्थिक राजनीतिक विकास की प्रक्रिया में अग्रसर करनातथा यह विश्वास उन्हें दिलाना कि वह न सिर्फ अपने लिए तथा अपने परिवार और समाज के लिए भी देश के विकास में भी योगदान दे सकती है |

संदर्भ

1. भारत सरकार। संविधान (73 वां संशोधन) अधिनियम, 1992। विधि और न्याय मंत्रालय; 1992।
2. पंचायती राज मंत्रालय। भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पंचायती राज की स्थिति पर रिपोर्ट। भारत सरकार; 2021।
3. झा एस.एन. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाएं: राजनीतिक सशक्तिकरण और नेतृत्व। भारतीय लोक प्रशासन पत्रिका। 2019;65(3):567-578।
4. सिंह एस. पंचायती राज के माध्यम से महिला सशक्तिकरण: मध्य प्रदेश में एक अध्ययन। ग्रामीण विकास पत्रिका। 2018;37(2):277-288।
5. कुमार ए, शर्मा वी. पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका। भारतीय लिंग अध्ययन पत्रिका। 2020;27(1):85-102।
6. ग्रामीण विकास मंत्रालय। मनरेगा वार्षिक रिपोर्ट 2022-23। भारत सरकार; 2023।
7. यूएनडीपी इंडिया। पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण। नई दिल्ली: यूएनडीपी इंडिया; 2020।